Date
15/05/2020

B.Ed
Ist Year

Subject - Pedagogy of Commerce
Topic - Aims of Teaching of Commerce

शिक्षा के उद्देश्यों की आवश्यकता :-

उद्देश्यों की आवश्यकता निम्न तथ्यों से स्पष्ट की जा सकती है-

(A) औपचारिक शिक्षा का संगठन
(B) पाठ्यक्रम एवं शिक्षण विधियों का चयन
(C) शिक्षण प्रक्रिया का संचालन
(D) उत्साह एवं लगन की वृद्धि
(E) समाज का उचित विकास

शैक्षिक उद्देश्यों की विशेषता :-

वार्नर मेंगर ने उद्देश्यों की विशेषताओं में निम्न 3 तथ्यों को बतलाया है -

(A) परिवर्त्य व्यवहार :- इसमें छात्रों में होने वाले व्यवहारिक परिवर्तन का स्पष्टीकरण होता है।

(B) परिवर्त्य व्यवहार की शर्तें :- वे शर्तें जिसके आधार पर व्यवहारगत परिवर्तन सम्भव है, उसमें उन परिस्थितियों का उल्लेख हो, जिसमें छात्र अपनी दक्षता दिखायेगा।

(C) परिवर्तय व्यवहार की अभिव्यक्ति :- स्वीकरण स्तर - शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति किस स्तर तक हुई, उसे ज्ञात करने की एक कसौटी है। इसी आधार पर अधिगमकर्ता छात्र के व्यवहार को उचित व अनुचित तय करता है।

Scanned with CamScanner

उद्देश्यों के निर्धारक ⇒ शिक्षा के उद्देश्यों को न तो कोई एक व्यक्ति या व्यक्तियों का कोई समूह विशेष ही निर्धारित करता है। वास्तविक रूप से शिक्षा के उद्देश्यों का निर्धारण तो अनेक विद्वानों के सम्मिलित प्रयासों का परिणाम होता है। लेखक, सम्पादक, अध्यापक, दार्शनिक, राजनीतिज्ञ, विज्ञापनदाता, जनसम्पर्क अधिकारी, शिक्षा अधिकारी, शिक्षा विभाग, सरकारी, गैर - सरकारी, संस्थाएं, आयोग, समितियाँ आदि सभी के मिले - जुले प्रयासों के परिणामस्वरूप शिक्षा के विभिन्न उद्देश्यों का निर्माण किया जाता है।

Continue----

Scanned with CamScanner